खण्ड—स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10. प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग चिकित्सा में क्या सम्बन्ध है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

11. जल तत्व चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

12. प्राकृतिक स्वास्थ्य विज्ञान एवं रोग की व्याख्या कीजिए।

13. पंचगव्य चिकित्सा की अवधारणा समझाइए।

354

DNS–01

June – Examination 2020

Diploma in Naturopathy Science Examination

प्राकृतिक चिकित्सा एवं रोगोपचार विधियाँ

Paper : DNS-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Note :– The question paper is divided into three Sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A 10×2=20

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) प्राकृतिक चिकित्सा की परिभाषा लिखिए।
   (ii) "उपवास आरोग्य सम्राट है।" किसने कहा ?
   (iii) काष्ठ औषधि उपचार किस चिकित्सा में है ?
   (iv) आयुर्वेदानुसार मालिस कहाँ से प्रारंभ करनी चाहिए ?
   (v) चुम्बक के प्रकार लिखिए।
   (vi) एक्यूप्रेशर एवं एक्यूपंचर में क्या भेद है ?
   (vii) मुखाकृति निदान क्या है ?
   (viii) जल की गर्म पट्टी किसे कहते हैं ?
   (ix) पाचन क्रिया व पेट रोग के लिए सूर्य किरण चिकित्सा का रंग बताइए।
   (x) भविष्य के ईंधन के रूप में गौमूत्र में क्या छिपा है ?

Section–B 4×10=40

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 10 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2. घरेलू जड़ी-बूटी चिकित्सा के महत्व को बताइए।
3. गौमूत्र चिकित्सा एवं इसके रोगनाशक गुणों का वर्णन कीजिए।
4. प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धान्तों का नाम लिखिए।
5. हास्य के वैज्ञानिक महत्व, इसके प्रकार एवं सावधानियों का वर्णन कीजिए।
6. प्राकृतिक चिकित्सा में पाश्चात्य देशों का क्या योगदान है ?
7. अग्निहोत्र (Agnihotra) से रोगोपचार लिखिए।
8. संतुलित भोजन का स्वास्थ्य में योगदान बताइए।
9. रोग निदान की विधियाँ लिखिए।

Section–C 2×20=40

(Long Answer Type Questions)

Note :– Answer any *two* questions. You have to delimit your each answer maximum up to **500** words. Each question carries 20 marks.